

## 2025 गणतंत्र दविस परेड में हरयाणा की झाँकी शामलि

### चर्चा में क्यों?

वर्ष 2025 के [गणतंत्र दविस परेड](#) में हरयाणा की झाँकी वभिन्न क्षेत्रों में राज्य की प्रगतीको उजागर करेगी, जसिमें जनता को लाभ पहुँचाने वाली सरकारी योजनाओं पर वशिष ध्यान दया जाएगा ।

### मुख्य बदि

- गणतंत्र दविस परेड में हरयाणा की झाँकी:
  - झाँकी में कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दयि गए [भगवद् गीता](#) के दविय संदेश को दर्शाया जाएगा ।
  - हरयाणा की झाँकी का वषिय "समृद्ध हरयाणा- वरिसत और वकिस" कुरुक्षेत्र में अपनी ऐतहिसकि जड़ों से लेकर आधुनकि उपलब्धयिों तक हरयाणा की यात्रा को दर्शाता है ।
- गणतंत्र दविस परेड 2025 की मुख्य वशिषताएँ:
  - गणतंत्र दविस 2025 का वषिय 'स्वर्णमि भारत- वरिसत और वकिस' है, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतकि वरिसत और इसकी प्रगती की नरितर यात्रा को दर्शाता है ।
  - 2025 की गणतंत्र दविस परेड में तीनों सेनाओं की झाँकी भी शामलि होगी, जसिमें [सशस्त्र बलों](#) के बीच [सहयोग और एकीकरण की भावना](#) पर ज़ोर दया जाएगा । इस झाँकी का वषिय "[सशक्त और सुरक्षति भारत](#)" है ।
  - वभिन्न राज्यों, केंद्र शासति प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों की 31 झाँकयिों इसमें भाग लेंगी, जो भारत की सांस्कृतकि वविधिता और प्रगती को दर्शाएँगी ।
  - गणतंत्र दविस परेड 2025 भारत की सांस्कृतकि वविधिता और [सैन्य शक्ति](#) का एक अनूठा मशिरण होगा, जसिमें [संवधान](#) लागू होने के 75 वर्ष और जन भागीदारी पर वशिष ध्यान दया जाएगा ।
- इंडोनेशया की भागीदारी:
  - इंडोनेशया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबयिांटो परेड के मुख्य अतिथि होंगे ।
  - इंडोनेशया की 160 सदस्यीय मार्चगि टुकड़ी और 190 सदस्यीय बैंड टुकड़ी भी [भारतीय सशस्त्र बलों](#) के साथ मार्च करेगी ।

### गणतंत्र दविस

- गणतंत्र दविस 26 जनवरी, 1950 को भारत के [संवधान](#) के अंगीकरण तथा देश के गणतंत्र में परिवर्तन की स्मृतीमें मनाया जाता है, जो 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी हुआ ।
  - संवधान को [भारत की संवधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949](#) को अपनाया गया तथा 26 जनवरी, 1950 को लागू कया गया ।
- 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी होने पर संवधान ने [भारतीय स्वतंत्रता अधनियम, 1947](#) और [भारत सरकार अधनियम, 1935](#) को नरिसत कर दया । भारत बरतिशि कराउन का प्रभुत्व नहीं रहा और संवधान के साथ एक संप्रभु, लोकतांत्रकि गणराज्य बन गया ।
- प्रतविरष गणतंत्र दविस पर भारत के राष्ट्रपति, जो राज्य के प्रमुख होते हैं, तरिंगा फहराते हैं, जबकि [स्वतंत्रता दविस \(15 अगस्त\)](#) पर प्रधानमंत्री, जो केंद्र सरकार का नेतृत्व करते हैं, [राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं](#) ।
  - यद्यपि दोनों शब्दों का प्रयोग प्रायः एक दूसरे के स्थान पर कया जाता है, लेकिन ये तरिंगे को प्रस्तुत करने की भन्न-भन्न तकनीकों को दर्शाते हैं ।

